**भारत सरकार**
**रेल मंत्रालय**

**लोक सभा**
**20.08.2025 के**
**अतारांकित प्रश्न सं. 4507 का उत्तर**

**पारसनाथ-गिरिडीह-मधुबन रेल लाइन**

**4507. श्री चन्द्र प्रकाश चौधरी:**

**क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:**

**(क) पारसनाथ से गिरिडीह होते हुए मधुबन तक प्रस्तावित नई रेल लाइन की वर्तमान स्थिति का ब्यौरा क्या है;**

**(ख) क्या उक्त परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण और वन मंजूरी का कार्य पूरा हो चुका है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;**

**(ग) परियोजना की अनुमानित लागत और पूरा होने की समय-सीमा क्या है;**

**(घ) क्या सरकार इस क्षेत्र के धार्मिक महत्व और जैन समुदाय की दीर्घकालिक माँग से अवगत है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;**

**(ङ) क्या सरकार का कोडरमा, गिरिडीह और मधुपुर के बीच वर्तमान रेल लाइन को दोगुना करने का प्रस्ताव है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;**

**(च) इस मार्ग पर विद्युतीकरण और सिग्नलिंग उन्नयन की स्थिति का ब्यौरा क्या है;**

**(छ) इस लाइन के लिए नियोजित किसी नई एक्सप्रेस या मेमू सेवाओं के साथ-साथ औसत ट्रेन आवृत्ति का ब्यौरा क्या है; और**

**(ज) क्या दोहरीकरण के लिए कोई व्यवहार्यता अध्ययन या सर्वेक्षण किया गया है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?**

**उत्तर**

**रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री**

**(श्री अश्विनी वैष्णव)**

**(क) से (ज): पारसनाथ-गिरडीह-मधुबन नई रेल लाइन परियोजना को वर्ष 2018-19 में झारखंड सरकार के साथ 50:50 लागत-साझेदारी के आधार पर ₹903 करोड़ की अनुमानित लागत से स्वीकृत किया था। रेलवे ने नवंबर, 2022 में राज्य सरकार से लागत का अपना हिस्सा जमा करने का अनुरोध किया था। बहरहाल, झारखंड सरकार ने अभी तक लागत का**

अपना हिस्सा जमा नहीं किया है। इसके परिणामस्वरूप, परियोजना को शुरू नहीं किया जा सका।

पारसनाथ-मधुबन-गिरिडीह खंड का प्रस्तावित संरेखण झारखंड के गिरिडीह ज़िले के अंतर्गत आता है। मधुबन, पारसनाथ पहाड़ी की तलहटी में स्थित है, जिसे जैन धर्म में श्री सम्मेद शिखर तीर्थ कहा जाता है, जो देश के सबसे प्रमुख जैन तीर्थस्थलों में से एक है।

पारसनाथ और गिरिडीह दोनों ही रेल नेटवर्क से अच्छी तरह जुड़े हुए हैं। पारसनाथ की रेल संपर्कता को बेहतर बनाने के लिए, सोननगर-गया-पारसनाथ-अंडाल (375x2 कि.मी.) के बीच तीसरी और चौथी लाइन का कार्य शुरू किया जा चुका है। सोननगर-अंडाल मल्टीट्रैकिंग (375x2 कि.मी.) परियोजना की 95% से अधिक भूमि अधिगृहित की जा चुकी है। परियोजना का कार्य उपलब्ध भूमि पर शुरू किया गया है।

कोडरमा-गिरिडीह-मधुपुर खंड की लाइन क्षमता वर्तमान यातायात आवश्यकता को पूरा करने के लिए पर्याप्त है।

वर्तमान में, कोडरमा-न्यू गिरिडीह-मधुपुर खंड यात्रियों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तीन जोड़ी रेलगाड़ियों अर्थात् 14049/14050 गोड्डा-दिल्ली एक्सप्रेस, 13515/13514 आसनसोल-हटिया एक्सप्रेस, और 53369/53370 मधुपुर-कोडरमा पैसेंजर द्वारा सेवित है। इसके अलावा, भारतीय रेल पर नई रेलगाड़ियों की शुरुआत करना सतत् प्रक्रिया है, जो यातायात औचित्य, परिचालनिक व्यवहार्यता, संसाधनों की उपलब्धता आदि पर निर्भर करती है।

झारखंड राज्य में पूर्णतः/अंशत: आने वाली रेल अवसंरचना परियोजनाएँ भारतीय रेल के पूर्व मध्य रेलवे, पूर्व रेलवे और दक्षिण पूर्व रेलवे क्षेत्रों के अंतर्गत आती हैं। रेल परियोजनाओं का लागत, व्यय और परिव्यय सहित क्षेत्रीय रेल-वार विवरण सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध कराया जाता है।

<u>झारखंड</u>

हाल के वर्षों में बजट आवंटन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। झारखंड राज्य में पूर्णतः/अंशतः आने वाली अवसरंचना परियोजनाओं के लिए परिव्यय का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

| अवधि | परिव्यय |
|---|---|
| 2009-14 | ₹457 करोड़/वर्ष |
| 2025-26 | ₹7306 करोड़ (लगभग 16 गुना) |

01.04.2025 की स्थिति के अनुसार, झारखंड राज्य में पूर्णतः/अंशतः आने वाली 2363 किलोमीटर कुल लंबाई वाली 26 परियोजनाएं (9 नई लाइन और 17 दोहरीकरण), जिनकी लागत 47,729 करोड़ रुपए है, जिनमें वे भी शामिल हैं जो योजना/अनुमोदन/निर्माण चरण

**में हैं, जिनमें से 598 किलोमीटर लंबाई की परियोजनाएं कमीशन कर दी गई है तथा मार्च, 2025 तक 15,845 करोड़ रुपए का व्यय किया जा चुका है। सारांश निम्नानुसार है:-**

| **कोटि** | **परियोजनाओं की संख्या** | **कुल लंबाई (कि.मी. में)** | **मार्च, 2025 तक कमीशन की गई लंबाई (कि.मी. में)** | **मार्च, 2025 तक कुल व्यय (करोड़ रु. में)** |
|---|---|---|---|---|
| **नई लाइन** | **9** | **749** | **156** | **4239** |
| **दोहरीकरण/मल्टीट्रैकिंग** | **17** | **1614** | **442** | **11606** |
| **कुल** | **26** | **2363** | **598** | **15845** |

**झारखंड राज्य में पूर्णतः/अंशत: पड़ने वाले नए रेलपथ को कमीशन करने/बिछाने का विवरण निम्नानुसार है:-**

| **अवधि** | **कमीशन किए गए नए रेलपथ** | **नये रेलपथों की औसत कमीशनिंग** |
|---|---|---|
| **2009-14** | **287 कि.मी.** | **57.4 कि.मी.** |
| **2014-25** | 1316 **कि.मी.** | **119.64 कि.मी. (2 गुना से अधिक)** |

**पिछले तीन वर्षों (अर्थात 2022-2023, 2023-24, 2024-25 और चालू वित्त वर्ष अर्थात 2025-26) के दौरान, झारखंड राज्य में पूर्णतः/अंशतः आने वाले कुल 83 सर्वेक्षण (17 नई लाइन, 66 दोहरीकरण) जिनकी कुल लंबाई 3274 किलोमीटर है, स्वीकृत किए गए हैं।**

**किसी भी रेल परियोजना की स्वीकृति कई मापदंडों/कारकों पर निर्भर करती है जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:**

- **अनुमानित यातायात अनुमान और प्रस्तावित मार्ग की लाभप्रदता**
- **परियोजना द्वारा प्रदान की जाने वाली प्रथम और अंतिम छोर संपर्कता**
- **अनुपलब्ध कड़ियों को जोड़ना और वैकल्पिक मार्गों प्रदान करना**
- **संकुलित/संतृप्त लाइनों का संवर्धन**
- **राज्य सरकारों, केन्द्रीय मंत्रालयों, संसद सदस्यों, अन्य जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाई गई मांगे,**
- **रेलवे की अपनी परिचालनिक आवश्यकताएँ,**
- **सामाजिक-आर्थिक महत्व**
- **निधियों की समग्र उपलब्धता**

**रेल परियोजनाओं का पूरा होना विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:**

- **राज्य सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण,**
- **वन संबंधी मंजूरी,**
- **अतिलंघनकारी साधनों का स्थानांतरण,**
- **विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियां,**
- **क्षेत्र की भौगोलिक और स्थलाकृतिक परिस्थितियां,**
- **परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति,**
- **परियोजना स्थल विशेष के लिए वर्ष में कार्य के महीनों की संख्या,**

**ये सभी कारक परियोजना(ओं) के पूरा होने के समय और लागत को प्रभावित करते हैं।**

*******